गीतांजलि

गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान (जयपुर) की पत्रिका

संस्करण-002/24 प्रकाशन- अगस्त 2024

गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान

एक परिचय

7 जुलाई सन् 1952 गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन स्वर्गीय श्रीमती गीता बजाज ने जयपुर के मोती डूंगरी क्षेत्र में बाल मंदिर की शुरुआत की। उनके घर के एक कमरे की खुली छत पर आरंभ हुआ बाल मंदिर (उस समय ''हैप्पी स्कूल'') आज 13,625 वर्गमीटर में फैला हुआ है। आज यह राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर एवं राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त एक उच्च माध्यमिक सहशैक्षिक विद्यालय है, जहाँ हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यम में पढ़ाई करवाई जाती है।

सन् 1970 में स्वर्गीय श्रीमती गीता बजाज ने बालिका शिक्षा की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए आवासीय महिला एस.टी.सी. विद्यालय की स्थापना की और फिर सन् 1976 में महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय शुरू हुआ, जो दो वर्ष बाद अपनी स्वर्ण जयंती मनाने जा रहा है।

हमें गर्व है कि गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान के स्कूली विद्यार्थी और महाविद्यालय से निकली छात्राध्यापिकाएं न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी बाल मंदिर का परचम लहरा रहे हैं।

The Vision And Mission Of Geeta Bajaj Bal Mandir Sansthan

The Geeta Bajaj Bal Mandir Sr. Sec. School is the living embodiment of the hard work and dedication of our founder late Smt. Geeta Bajaj over more than four decades of her life. The following energetic objectives are determined by our Institution :

Geeta Bajaj Bal Mandir Sr. Sec. School

- To achieve higher educational performances by the students in a qualitative educational environment.
- Development of an all rounder personality of the students through extra co-curricular activities and sports.
- Development of the feeling of respect towards physical labour, righteousness and independence of thought and action, to become good citizens.

Geeta Bajaj Women's Teacher Training College

- To train all round productive and proactive teachers for the future generations
- To make the student-teachers competent, proficient, determined, skillful & dedicated towards the teaching profession for the growth of the upcoming generation of the country.

Bapu's Letter

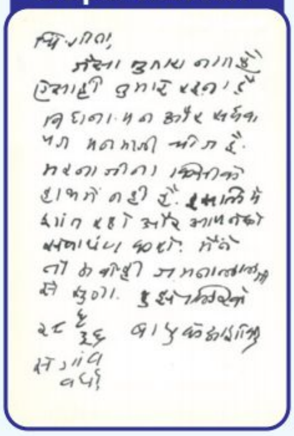

श्रीमती गीता बजाज

स्वर्गीय श्रीमती गीता बजाज एक महान् देशभक्त, एक महान समाज सुधारक और एक महान आत्मा थीं, जिनका जन्म सन् 1919 में हुआ। सन् 1934 में 15 वर्ष की आयु में उनका विवाह महात्मा गाँधी के अनुयायी जमना लाल बजाज के भतीजे गिरधारी लाल बजाज के साथ हुआ, किन्तु 19 वर्ष की आयु में ही क्रूर नियति ने उन्हें वैधव्य के गहरे अंधेरे में धकेल दिया। ऐसे समय पर महात्मा गाँधी के संवेदना संदेश ''गीता, जैसा तुम्हारा नाम है, वैसे ही तुम रहना'' ने उन के जीवन को नया मोड़ और मार्गदर्शन दिया। वनस्थली विद्यापीठ से स्कूली शिक्षा पूरी कर लेने के बाद सन् 1942 में उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और उसके पश्चात् ही वे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गईं।

भारत की आजादी के लिए लड़ते हुए वे लाहौर जेल में भी रहीं। सन् 1947 में देश की आजादी के बाद उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की। सन् 1952 में उन्होंने मोती डूंगरी इलाके के गरीब मजदूरों के 4-5 बालकों को लेकर बाल मंदिर हैप्पी स्कूल की शुरूआत की जो आज का बाल मंदिर संस्थान है और तब से आज तक हजारों विद्यार्थियों और युवा शिक्षिकाओं के जीवन को ज्ञान से प्रकाशित कर रहा है।

स्व. श्रीमती गीता बजाज स्वयं में एक संस्था थी और उनकी स्मृति गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान की आत्मा और मार्गदर्शक है। उन्होंने महिलाओं और निरक्षरों को शिक्षित करने के पवित्र उद्देश्य को लेकर ही अपना संपूर्ण जीवन न्यौछावर कर दिया।

कृष्णा दीदी का प्यार भरा संदेश

बाल मंदिर परिवार ने पत्रिका निकालने का शुभारंभ किया है। अति उत्तम विचार है, मेरी इस के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। पत्रिका नित नयी ऊंचाईयों पर पहुंचे। आशा है इससे छात्रों के मानसिक विकास की उन्नति होगी, अच्छे संस्कार, अच्छी भाषा और अच्छे विचारों का उदय होगा। बालकों की नई सोच और सुंदर रचनाओं से पत्रिका सराबोर होगी।

आपकी प्रगति के लिए मैं सदैव प्रार्थना करती रहूंगी।

मेरी ओर से पत्रिका के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन की बहुत सारी शुभकामनाएं...

कृष्णा जसदेव सिंह
स्व. गीता दीदी की सुपुत्री

उज्जवल भविष्य के निर्माता

Our Founders

श्रीमती सावित्री भारतीया

श्रीमती सावित्री भारतीया गीता बजाज बाल मंदिर संचालन समिति की प्रथम अध्यक्ष थीं। इनका जन्म 27 जनवरी सन् 1914 को अजमेर में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से एम.ए. व बी.एच.यू. विश्वविद्यालय से बी.टी. किया। इन्हें मोंटेसरी शिक्षण व महाविद्यालय शिक्षण का कई वर्षो का अनुभव था। इन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय के महारानी कॉलेज की प्रथम प्राचार्या व गीता बजाज बाल मंदिर की प्रथम अध्यक्ष के पद पर रहते हुए छात्रों औंर कर्मचारियों में जिम्मेदारी औंर उत्साह की गहरी भावना औंर सोच की नींव रखी, जो आज भी जारी हैं।

इन्होनें संस्था संस्थापिका श्रीमती गीता बजाज के स्वप्न को साकार करने के लिए उनके पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए गांधीवादी मूल्यों को स्थापित किया। इनकी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली औंर दूरदर्शी सोच ने गीता बजाज बाल मंदिर को शिक्षा जगत में अलग पहचान दिलाई। अपनी प्रगति में अविस्मरणीय योगदान के लिए गीता बजाज बाल मंदिर परिवार सावित्री भारतीया जी का सदैंव कृतकृत्य रहेगा।

श्री पूर्णचन्द्र जैन

श्री पूर्णचन्द्र जैंन का जन्म 19 सितम्बर सन् 1909 को जयपुर के जौंहरी बाजार के टुंकलिया भवन में हुआ था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा चटशाला में हुई थी जहां भारतीय संस्कृति एवं लोक साहित्य शिक्षा का आधार था। इनके जीवन पर जयपुर संस्कृति की गहरी छाप थी। आपने स्कूली शिक्षा जयपुर से व उच्च शिक्षा आगरा विश्वविद्यालय से प्राप्त की। साहित्य एवं शिक्षा इनके स्वभाव में थी।

गीता बजाज बाल मंदिर के लिए यह सौंभाग्य की बात हैं कि श्री पूर्णचन्द्र जैंन जी आजीवन संस्था के साथ जुड़े रहे। उनके साहित्य औंर शिक्षा के प्रति लगाव की स्वभाविक वृत्ति के कारण ही गीता बजाज बाल मंदिर आज जयपुर की प्रमुख शिक्षण संस्थाओं में से एक हैं। बाल मंदिर के विकास में इनके सराहनीय व उल्लेखनीय योगदान के कारण ही बाल मंदिर केवल शिक्षा की दृष्टि से ही नहीं अपितु ऐतिहासिक दृष्टि से भी प्रसिद्ध हैं।

श्री पूर्णचन्द्र जैंन का व्यक्तित्व औंर जीवन निष्ठा हम सबके लिए प्रेरणा का विषय हैं।

स्थापना दिवस 2024

8 जुलाई 2024 को गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान का 73वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रोफेसर मीता शर्मा थीं। आप संस्थान की ही पूर्व छात्रा हैं। कार्यक्रम में विद्यालय व महाविद्यालय के छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के मेधावी छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया गया।

 Great persons are great because of good & Strong foundations on which they were able to build a character. - Alfred Armand Montapert

हमारी कार्यकारिणी समिति

Our Managing Committee

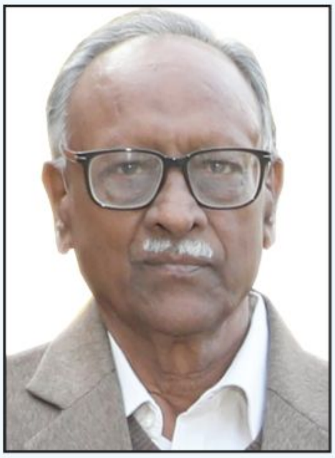

Shri Ravi Kumar Gupta
President

Shri Gurdev Singh
Secretary

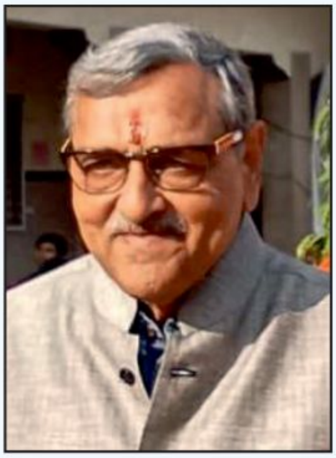

Shri Rajesh Patni
Treasurer

Shri Prashant Sharma
Member

Smt. Preeti Khanna
Member

Ms. Kamal Pangadiya
Member

Smt. Neelima Jain
Member

Smt. Kuljit Gurdev Soin
Member

Smt. Sonal Surana
Member

Shri Ravi Khandelwal
Member

Shri Rupin Kala
Member

Our Principals

डॉ. दीप्ति त्रिपाठी

प्राचार्या,

गीता बजाज महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

5 नवंबर 1974 को जन्मीं श्रीमती डॉ. दीप्ति त्रिपाठी अपने नाम को साकार करती शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र को अपनी अद्वितीय प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता से आलोकित कर रही हैं।

आपने एम.एड.,अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर, **UGC NET**, एवं डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। अपनी शैक्षणिक व्यवसायिक योग्यता पूर्ण करने के बाद आपने सन् 2006 में गीता बजाज शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बतौर सहायक आचार्य अपना व्यावसायिक सफर आरंभ किया। सन् 2022 में इन्हें महाविद्यालय की उपप्राचार्या का कार्य भार सौंपा गया।

प्रभावी नेतृत्व, सफल संचार क्षमता, सबके प्रति सहानुभूति और ईमानदारी के उत्कृष्ट गुणों के कारण सन् 2023 में इन्हें महाविद्यालय की प्राचार्या के पद पर नियुक्त किया गया।

डॉ. दीप्ति आत्मविश्वास से परिपूर्ण,आकर्षक व्यक्तित्व की धनी हैं। आपकी सक्षम कार्यशैली व टीमवर्क में विश्वास, व्याख्याता व कर्मचारियों को व्यावसायिक व व्यक्तिगत विकास की प्रेरणा देता है।

छात्राओं में आप अपनी संवेदनशीलता व दूरदर्शी दृष्टिकोण के लिए लोकप्रिय हैं। आप छात्राओं के प्रदर्शन का स्वयं मूल्यांकन करती हैं व मार्गदर्शन करती हैं।

आपने महाविद्यालय में एक समावेशी, सहायक व सकारात्मक विद्यालय संस्कृति का निर्माण किया है।

इनके समर्पण, मेहनत, नेतृत्व और मार्गदर्शन में गीता बजाज शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नई सफलताओं की ओर अग्रसर हुआ है और निरंतर उन्नति करता रहेगा।

प्रभाकर झा

प्रधानाचार्य

गीता बजाज बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय

श्री प्रभाकर जी का जन्म 5 सितंबर 1968 मधुबनी बिहार में हुआ। शिक्षक के रूप में इनकी नियति जन्म से ही तय हो गई थी, इसलिए आपका जन्म शिक्षक दिवस के दिन हुआ।

आपने एम.ए., शिक्षा व एम.ए. भूगोल में डिग्री प्राप्त की। एम.ए भूगोल में आपने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जो आपके मेधावी व होनहार छात्र होने का प्रमाण है। अपनी शैक्षिक योग्यता पूर्ण करने के बाद आपने शिक्षा को अपने कार्य क्षेत्र के रूप में चुना।

सन् 2011 में आपको विद्यालय के उप प्रधानाचार्य के पद पर पदस्थ किया गया। सन् 2018 में आप ने विद्यालय के प्रधानाचार्य का पदभार संभाला।

आपके उत्कृष्ट नेतृत्व व संचार कौशल ने आपको एक लोकप्रिय प्राचार्य बनाया। आपके द्वारा छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों व अभिभावकों के सुझावों व परेशानियों को ध्यानपूर्वक सुना जाता है तथा इसके समाधान के लिए आप सदैव तत्पर रहते हैं। आप पूज्य संस्थापिका स्व. गीता दीदी के सपने को साकार करने में अपनी टीम के साथ सतत् प्रयासरत हैं।

श्री प्रभाकर झा के दिशा निर्देशन व मार्गदर्शन में गीता बजाज बाल मंदिर उन्नति व उपलब्धियों के नए शिखर छू रहा है। विद्यालय के छात्र व छात्राएं प्रशासनिक, न्यायिक व अन्य क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देकर बाल मंदिर का नाम रोशन कर रहे हैं।

अनिता भार्गव
पूर्व प्रधानाचार्या
गीता बजाज बाल मंदिर
उच्च माध्यमिक विद्यालय

मैं गीता बजाज बाल मंदिर उस समय का बाल मंदिर में 1981 में शामिल हुई और वहीं की होकर रह गई। अपने जीवन को संस्था के साथ एकाकार किया। इसका एकमात्र कारण रहा- संस्थान की संस्थापिका व संचालिका स्वर्गीय बड़ी दीदी श्रीमती गीता बजाज का सहज मातृवत स्नेह, शिक्षा और संस्था के प्रति उनकी असीम निष्ठा, उनकी पारखी दृष्टि एवं अदभुत मार्ग दर्शन ।

मैं यहां सहायक अध्यापिका, वरिष्ठ अध्यापिका, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी, परीक्षा प्रभारी और प्रधानाचार्या के पद पर भी कार्यरत रही। पद या प्रसार कोई भी रहा हो, मैं बड़ी दीदी की (अनीता) बनी रही। मुझे गर्व है कि मुझे इस संस्था में तीन पीढ़ियों के साथ काम करने का सुअवसर मिला। बड़ी दीदी, कृष्णा दीदी, जसदेव जी सर, और अंत में गुरदेव जी सर, मेरी कोशिश रही कि मैं इन तीनों पीढ़ियों से कुछ ना कुछ, बल्कि बहुत कुछ सीख सकूं।

मैं अपने पुराने साथियों को भी याद करती हूँ कि मेरे इस सफर में उनका साथ और सहयोग मिला। आज भी गीता बजाज संस्थान मेरे लिए वही स्थान रखता है और मैं भी संस्थान से वही स्नेह प्राप्त कर रही हूँ।

अंत में विद्यालय से प्रकाशित पत्रिका के लिए अपनी शुभकामनाएं देती हूँ।

Our Eminent School Alumnus

Mr. Satish Arora

Shri Satish Arora (now in his 70s) is one of our senior-most alumni still in contact with the institution, and has many a big achievements in his multi-faceted life journey. He has written a short but beautiful message for us :

Dear Student and Staff,

I was eight years old, when I was the student of Class IV at Geeta Bajaj Bal Mandir. I feel excited when I remember those days at Bal Mandir apart from study, we were taught gardening, music, cloth weaving and keeping our surroundings clean. It built an excellent foundation. I have deep love and respect for the institution for sowing the seeds of hard work and high integrity which brought me prosperity, respect and status that I later enjoyed in the society. I have lived in many countries of the world but have always felt a strong connection with the institute and with Geeta didi's mission of educating all and vision of making Geeta Bajaj Bal Mandir one of the best Schools of Rajasthan.

May all her dreams come true! Geeta Bajaj Bal Mandir is a renowned school of Jaipur- May it be the No. 1 in Rajasthan !

Best Wishes : Satish Arora

श्रीमती अनीता प्रधान

गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान से जुड़े प्रत्येक सदस्य को मेरा ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।

मैं सत्र 1977-78 से लेकर सत्र 1987-88 तक बाल मंदिर की विद्यार्थी रही।

ये वर्ष मेरे जीवन के स्वर्ण काल जैसे हैं। एक सफल अभिनेत्री, अंतराष्ट्रीय नर्तक और कोरियोग्राफर के रूप में उन्नत भविष्य की नींव यही और इसी समय ही पड़ी। गीता दीदी के व्यक्तित्व ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सुबह जल्दी उठना, दूसरों की मदद करना, अपना काम स्वयं करना जैसी आदतें उनकी ही देन है। वह हमेशा कहती थीं कोई काम छोटा नहीं होता और अपना काम स्वयं करने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। वह हमें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होने की प्रेरणा देती थीं। उन्हें मेरे नृत्य करने के शौक और जुनून का पता था इसलिए वह हमेशा मेरी मदद करती थीं। सिर्फ मेरी ही नहीं अपितु सभी विद्यार्थियों की उन्नति में गीता दीदी और बाल मंदिर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

(प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्य निर्देशिका, प्रख्यात टी.वी. एवं फिल्म अभिनेत्री, 7 बार नेशनल अवार्ड विजेता)

Leadership is not about titles, positions. It is about one life influencing another - John C. Maxwell

75TH REPUBLIC DAY CELEBRATION

मुख्य अतिथि
श्रीमती नीलिमा जैन

छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति

मेरा सपना

मैंने देखा सपना एक ,
सुंदर सी बगिया बनाने का
निकल पड़ी उसी राह पर,
जिस पर बगिया बनानी थी।
नई रोशनी की लहर थी,
पर कांटों की डगर थी
जीवन है एक संघर्ष,
यह बात मन में उतरी थी
संघर्षो से ना घबराई मैं,
हर समय तैयार रही।
फूल खिले गुलशन महका,
मेरी मेहनत साकार हुई
खुशबू फैल उठी चारों ओर,
बगिया बनकर तैयार हुई।
बगिया बनकर तैयार हुई।

श्रीमती मीना दवे
(अध्यापिका)

नया भारत

नया सवेरा होगा
नया लक्ष्य होगा
मंजिल तो अभी बाकी है
नया सवेरा अभी बाकी है
देखेंगे नया भारत हम
देखेंगे नहीं सोच हम
हर व्यक्ति पढ़ा लिखा होगा
तभी तो नया सवेरा होगा
हर बेटी गर्व से जिएगी
सभी का नाम रोशन करेगी
भारत पर हमें गर्व होगा
तभी तो नया सवेरा होगा
नया सवेरा होगा
नया लक्ष्य होगा

चेतन सैनी
कक्षा-9

ज्ञान का दीपक

(एक प्रेरक प्रसंग)

रात का अंधकार वातावरण को अपने आवरण में छुपाने लगा था, शाम की प्रार्थना के पश्चात् गुरुजी ने अपने एक प्रमुख शिष्य को पुस्तक देते हुए कहा कि इसे आश्रम के भीतर प्रकोष्ठ में रख आओ, शिष्य पुस्तक लेकर भीतर गया किंतु तुरंत ही लौट आया और घबराये हुए स्वर में बोला- 'गुरुदेव भीतर सांप है'। गुरुदेव बोले- कोई बात नहीं मैं तुम्हें सांप भगाने का एक मंत्र देता हूं, तुम अंदर जाकर इसका उच्चारण करो जिससे सांप खुद-ब-खुद भाग जाएगा। शिष्य ने वैसा ही किया। वह थोड़ी देर बाद वापस आया और बोला- गुरुदेव, सांप तो अपनी जगह से हिला भी नहीं। गुरुदेव बोले- कोई बात नहीं, शायद तुमने मंत्र का उच्चारण श्रद्धापूर्वक नहीं किया हो। ऐसा करो एक बार फिर जाओ और पूरे मन से मंत्र का दोबारा जाप करो, जैसी आज्ञा गुरुदेव, कहकर शिष्य अंदर चला गया...... फिर वापस आकर बोला, गुरुदेव सांप तो वैसे का वैसे ही पड़ा है, भागने का नाम ही नहीं ले रहा, ओह.... गुरुदेव ने कहा- तुम दीपक अंदर लेकर जाओ वह सांप खुद ब खुद भाग जाएगा। शिष्य दीपक लेकर अंदर गया। थोड़ी देर बाद वापस आकर बोला- अंदर तो सांप था ही नहीं गुरुदेव, वह तो केवल एक रस्सी थी, जो अंधेरे में मुझे एक सांप के समान प्रतीत हो रही थी। गुरुजी बोले- शिष्य इसी प्रकार पूरे संसार पर भ्रम छाया हुआ है, जिसे ज्ञान रूपी दीपक और शिक्षा से ही दूर किया जा सकता है। भ्रम का तात्पर्य होता है- सत्य पर असत्य का आवरण। यह भ्रम तब तक दूर नहीं हो सकता, जब तक ज्ञान रूपी आवरण हमारे पास ना हो।

श्रीमती सरोज टेलर
सहायक आचार्या

First College Alumni Meet-2024

Let's pick up where we left off

Geeta Bajaj W.T.T. College organised its First Alumni Meet on 30.03.24. Alumnis from the 1977 batch to 2022 batch reminisced with old batch mates and shared their experiences. The presence of our Cheif Guest Associate Professor Dr. Vinod Khangarot of Zoology Department of University of Rajasthan, added prestige to the event.

मुख्य अतिथि डॉ. विनोद खंगारोत का स्वागत

गीता दीदी का माल्यार्पण तथा मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान परिसर का दौरा

पूर्व छात्राओं द्वारा संस्थान कार्यकारिणी समिति का अभिनन्दन

पूर्व छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुति

अपने अनुभव साझा करती हुईं पूर्व छात्राऐं

Our Eminent Alumni

Hello everyone

I had an opportunity to reconnect with my Geeta Bajaj College's honorable management, faculty and batchmates at the first Alumni Meet - I feel blessed to be an alumni of this institute that has been an epitome of high levels of quality education and altruism

I extend my best wishes and gratitude to the institute and it's management.

Mrs. Neetu Mathur
Batch 2012-13
PGT English
MGD Girls School
Jaipur

गीता बजाज महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में सन् 1995 के सत्र के विद्यार्थी के रूप में सर्वप्रथम श्रद्धेय माँ गीता दीदी के दृढ़ संकल्पित एवं अनुशासन प्रिय व्यक्तित्व ने मुझे अत्यधिक प्रभावित किया।

महाविद्यालय प्राचार्या डॉक्टर संध्या अग्रवाल मैम की विद्वता, पारखी दृष्टि, कठोर के साथ कोमल व्यवहार ने हमें भी एक अच्छे शिक्षक बनने की ओर प्रेरित किया।

महाविद्यालय की यादें अमिट है और हमें निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर रहने की प्रेरणा देती हैं।

गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान परिवार को मेरी शुभकामनाएं।

डॉ. मीता शर्मा
(सह आचार्य हिंदी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर)

It's not the year in your life that count. It's the life in your years. - Abraham Lincoln

Annual Function -2024

Celebrating the spirit of Geeta Bajaj Bal Mandir Sansthan

Welcome of the Chief Guest Sh. Inder Kumar Bhat by the Management Committee

The annual day celebration was held at our Geeta Bajaj Bal Mandir Sansthan on 11th February 2024.The event was a grand success showcasing the talents of our students fostering a sense of pride among the participants of Geeta Bajaj Bal Mandir Sr. Sec. School and Geeta Bajaj Women Teacher Training College.

The school auditorium was adorned with colourful banners , lights, thematic props creating visually appealing ambience. We were honoured to have Sh. Inder Kumar Bhat, Vice Chancellor, Manav Rachna University, Faridabad and Former Director MNIT, Jaipur, as our Chief Guest. His presence added prestige to the event and his encouraging words inspired both our students and faculty members.

The evening commenced with the lighting of the lamp followed by an audio visual presentation by our Honourable Secretary Sh. Gurdev Singh that showcased memorable moments and accomplishments creating a nostalgic atmosphere for the students. The event highlights included dance performance based on environment, women empowerment, Rajasthan culture and the message of staying away from mobile and social media.

Celebrating Festival of colours

फागोत्सव 2024

8 मार्च को क्यों मनाते हैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ?

अमेरिका में कामकाजी महिलाओं ने 8 मार्च को अपने अधिकारों को लेकर आंदोलन करते हुए मार्च निकाला था। जिसके बाद सोशलिस्ट पार्टी ने इस दिन महिला दिवस मनाने का एलान किया। बाद में सन् 1917 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान रूस की महिलाओं ने ब्रेड और चीज के लिए हड़ताल करी। बाद में सम्राट निकोलस ने अपना पद त्याग दिया और महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। ये देख यूरोप की महिलाओं ने भी कुछ दिन बाद 8 मार्च को पीस एक्टिविस्ट्स का समर्थन करते हुए रैलियाँ निकाली। इस कारण 8 मार्च 1975 को संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की मान्यता दे दी।

सन् 2024 में महिला दिवस की थीम ''इंस्पायर इंक्लूजन'' है जो जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं के अद्वितीय दृष्टिकोण और योगदान को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कुमकुम प्रजापत
बी.एड. (प्रथम वर्ष)

युग बदला लोग वही

उम्र गुजरी है शख्सियतें पहचानने में
कभी उलझनों को सुलझाने में
कभी अपनों को जानने में
अपनों की भीड़ में बेगाने मिल जाते हैं
कभी बेगानों से भी हम दर्द बांट जाते हैं
हम उम्रदराज हो चले हैं
इस आँख मिचौली में
ये दर्द का सौदा आज मेरा है
तो कल तेरी झोली में
सदियाँ लगी हमको सतयुग से कलयुग तक आने में
हर एक उलझा है अपना किरदार निभाने में
कौन कहता है कि युग बदल गये
आज भी बिसात बिछी है हर नारी को हराने में
दांव पर लगी है जो हर बार द्रौपदी
शतरंज के ये दांव सदियों पुराने हैं
छिपे हैं बनकर अपने, हमें ही नोचने
भीड़ से हमें दुर्योधन दुःशासन पहचानने हैं
माना धर्म की राह पर युधिष्ठिर बहुत नहीं
सारथी कृष्ण सा मिले तो अर्जुन कौन नहीं
मासूमियत का चोला पहने जो घूमते हैं
आपकी हार के तमाशे में वाह-वाही वो ही लूटते हैं
बात आज की नहीं ये बात पुरानी है
बाली और सुग्रीव के जैसी हर युग की कहानी है।

श्रीमती नीरा पारीक
सहायक आचार्या

महाशिवरात्रि 2024
एवं स्व. गीता दीदी का जन्मोत्सव

Don't think about making women fit the world. Think about making the world fit women. - Gloria Steinem

Facts about Dr. B.R. Ambedkar

1. Dr. Babasaheb Ambedkar was the 14th and last child of his parents.
2. Dr. Babasaheb's real surname was Ambawadekar. But his teacher Mahadev Ambedkar, gave him Ambedkar surname in the School.
3. He was the first Indian to get a Doctorate Degree (Ph.D).
4. Dr. Ambedkar is the only Indian whose statue is attached to Karl Marx in the London Wax Museum.
5. The credit of giving place to 'Ashok Chakra' in the Indian Tri Colour also goes to him.

Shraddha Meena
B.Ed. IInd Year

Humour in the Supreme Court

Justice Indu Malhotra, the second woman to be appointed as a Supreme Court Judge, displayed a light hearted side during her tenure.

On International Women's Day, she addressed an audience of lawyers, stating, "People often ask me what it's like to be one of the only women in a room full of men". I tell them that I never get lost because there's never a line for the ladies' room at the Supreme Court. Her remark brought laughter and applause from the audience, acknowledging the unique challenges faced by women in the legal profession.

Komal Bairwa
B.Ed. Ist Year

A Teacher for all Seasons

A teacher is like Spring,
Who nurtures new green sprouts,
Encourages and leads them,
Whenever they have doubts.

A teacher is like Summer,
Whose sunny temperament
Makes studying a pleasure,
Preventing discontent.

A teacher is like Fall,
With methods crisp and clear,
Lessons of bright colors
And a happy atmosphere.
A teacher is like Winter,
While it's snowing hard outside,
Keeping students comfortable,
As a warm and helpful guide.

Teacher, you do all these things,
With a pleasant attitude;
You're a teacher for all seasons,
And you have my gratitude!

A poem by Joanna Fuchs

Exploring the Chemistry of Colour : From Pigments to Perception

Step into the vibrant world of color and uncover the fascinating chemistry behind every hue. From the vivid red of a ripe tomato to the deep blue of the ocean, colours surround us, enriching our lives in ways we often take for granted. But behind their beauty lies a complex interplay of chemical compounds and light. Pigments, the molecules responsible for colours, absorb certain wavelengths of light while reflecting others, creating the spectrum of colours we see. Dive into the chemistry of pigments, from natural sources like plants and minerals to synthetic dyes engineered in laboratories. Moreover, understanding colours perception involves delving into the intricate workings of the human eye and brain. Exploring the chemistry of colours reveals a fascinating journey from pigment to perception. Pigments, molecules with a tendency to absorb certain wavelengths of light, determine the colours we see. Their molecular structures dictate which wavelengths they absorb or reflect, thereby defining colours. Understanding this chemistry opens up a kaleidoscope of possibilities, from ancient pigment recipes to modern colours technology. It is a form of molecular interactions that shapes our visual world, bridging the gap between artistry and science.

By:- **Dr. Kumud Kumari,** Asst. Professor (Chemistry)

विद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रम

Vibrant Ventures : A Journey beyond the classroom

Academic Brilliance

In The Board Exams

CLASS-12th (ARTS)

Nisha Singh
I

Radhika Verma
II

Akanksha Sahu
III

CLASS-10th

Rohan Meena
I

Nitish Kumar
II

Vidyasagar
III

CLASS-8th

Chetan Saini
'A' Grade

Mayank Kumar Gurjar
'A' Grade

Nandini Kumari
'A' Grade

Saloni Kanwar
'A' Grade

Artistic Expressions

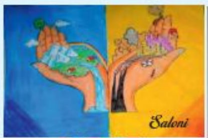

Cancer
Awareness Program
by Jaipur Cancer
Relief Society
on 24 July 2024

Celebration of Yoga Day

Every year on June 21, International Yoga Day highlights the comprehensive advantages of yoga, an age-old Indian practice. This day, which was declared by the UN in 2014, uses yoga to encourage mental, emotional, and spiritual well-being. Yoga workshops, group classes, and talks about the health benefits of yoga are held all over the world. Every year a different facet of yoga's beneficial effects on society is highlighted by the subject. Yoga Day promotes a more balanced and healthful lifestyle by bringing people together from all around the world. It is celebrated every year in Geeta Bajaj Bal Mandir Sansthan to instill the importance of Yoga in our lives.

Learning Amplified

Extension Lectures

Seminar Presentation

Our Distinguished Guest

Mr. Markus Jäger (MD, Allucan AG, Switzerland)

पद्मश्री, पद्मभूषण व राजस्थान रत्न से विभूषित स्वर्गीय जसदेव सिंह जी की स्मृति में स्थापित मेमोरियल ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यालय में अध्यनरत मेधावी छात्र व छात्राओं को छात्रवृत्ति राशि लगभग ₹ 2.5 लाख सत्र 2021–22 से दी जा रही है, साथ ही बच्चों के लिए मिड डे मील की व्यवस्था नियमित रूप से की जा रही है।

हम बाल मन्दिर परिवार एवं अभिभावकों की ओर से स्व. जसदेव सिंह जी के समस्त परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं ।

समस्त शिक्षक
एवं अभिभावक

Exotic Picnic

श्री अनिल कानूनगो (अकाउंटेंट)
को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएँ

कॉम्प्रिहेंसिव स्कूल हेल्थ प्रोग्राम

नव शैक्षणिक सत्र 2024–25 में गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान के तत्वधान में गीता बजाज बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में डॉक्टर राहुल मेहरा – नेशनल रिप्रेजेंटेटिव ऑफ इंडिया (यूनेस्को) के प्रतिनिधित्व में माय क्रैक द वैलनेस कोड फाउंडेशन और तरंग हेल्थ एलाइंस के सौजन्य से कंप्रिहेंसिव स्कूल हेल्थ प्रोग्राम उच्च प्राथमिक कक्षाओं में आरंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाया जाना है।

Publisher
Gurdev Singh

Executive Editor
Dr. Deepti Tripathi
Prabhakar Jha

Editorial team
Neera Pareek
Neena Sharma
Naval Kumar
Drishti Kriplani

Graphics & Design
Praveen Singh
Khushboo Sharma

गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान

मोती डूंगरी सर्किल, गोविन्द मार्ग, जयपुर (राज.)

फोन– 0141–2624143, 0141–2623730 ई–मेल : geetabajajsansthan.jaipur@gmail.com